Test Booklet No.
परीक्षा पुस्तिका संख्या

3735

This booklet contains 20 pages.
इस पुस्तिका में 20 पृष्ठ हैं।

# JBC – 12A

**PAPER I / प्रश्न-पत्र I**
**PART IV & V / भाग IV & V**
**Bengali Language Supplement**
**बंगाली भाषा परिशिष्ट**

**Test Booklet Code**
**परीक्षा पुस्तिका संकेत**

**G**

**Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.**
**इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।**
**Read carefully the Instructions on the Back Cover (Page 19 & 20) of this Test Booklet.**
**इस परीक्षा पुस्तिका के पिछले आवरण (पृष्ठ 19 व 20) पर दिए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।**

**For instructions in Bengali, see Page 2 of this booklet. / बंगाली में निर्देशों के लिए इस पुस्तिका का पृष्ठ 2 देखें।**

## *INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES*

1. This booklet is a supplement to the Main Test Booklet for those candidates who wish to answer **EITHER** Part IV (Language I) **OR** Part V (Language II) in **BENGALI** language, but **NOT BOTH**.
2. Candidates are required to answer Parts I, II, III from the Main Test Booklet and Parts IV and V from the languages chosen by them.
3. Questions on English and Hindi languages for Part IV and Part V have been given in the Main Test Booklet. Language Supplements can be asked for separately.
4. Use **Blue / Black Ball Point Pen only** for writing particulars on this page / marking responses in the Answer Sheet.
5. The CODE for this Language Booklet is **G**. Make sure that the CODE printed on **Side-2** of the Answer Sheet and on your Main Test Booklet is the same as that on this Language Supplement Booklet. In case of discrepancy, the candidate should immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Language Supplement Test Booklet.
6. This Test Booklet has **two** Parts, IV and V, consisting of **60** Objective Type Questions, each carrying 1 mark :
   Part IV : Language I – (Bengali) *(Q. 91 to Q. 120)*
   Part V : Language II – (Bengali) *(Q. 121 to Q. 150)*
7. Part IV contains 30 questions for Language I and Part V contains 30 questions for Language II. In this Test Booklet, only questions pertaining to Bengali language have been given. **In case the language/s you have opted for as Language I and/or Language II is a language other than Bengali, please ask for a Test Booklet that contains questions on that language. The languages being answered must tally with the languages opted for in your Application Form.**
8. **Candidates are required to attempt questions in Part V (Language II) in a language other than the one chosen as Language I (in Part IV) from the list of languages.**
9. Rough work should be done only in the space provided in the Test Booklet for the same.
10. The answers are to be recorded on the OMR Answer Sheet only. Mark your responses carefully. No whitener is allowed for changing answers.

## *परीक्षार्थियों के लिए निर्देश*

1. यह पुस्तिका मुख्य परीक्षा पुस्तिका की एक परिशिष्ट है, उन परीक्षार्थियों के लिए जो **या** तो भाग IV (भाषा I) **या** भाग V (भाषा II) **बंगाली** भाषा में देना चाहते हैं, लेकिन **दोनों नहीं**।
2. परीक्षार्थी भाग I, II, III के उत्तर मुख्य परीक्षा पुस्तिका से दें और भाग IV व V के उत्तर उनके द्वारा चुनी भाषाओं से।
3. अंग्रेज़ी व हिन्दी भाषा पर प्रश्न मुख्य परीक्षा पुस्तिका में भाग IV व भाग V के अन्तर्गत दिए गए हैं। भाषा परिशिष्टों को आप अलग से माँग सकते हैं।
4. इस पृष्ठ पर विवरण अंकित करने एवं उत्तर पत्र पर निशान लगाने के लिए **केवल नीले/काले बॉल पॉइंट पेन** का प्रयोग करें।
5. इस भाषा पुस्तिका का **संकेत** है **G**. यह सुनिश्चित कर लें कि इस भाषा परिशिष्ट पुस्तिका का संकेत, उत्तर पत्र के **पृष्ठ-2** एवं मुख्य परीक्षा पुस्तिका पर छपे संकेत से मिलता है। अगर यह भिन्न हो तो परीक्षार्थी दूसरी भाषा परिशिष्ट परीक्षा पुस्तिका लेने के लिए निरीक्षक को तुरन्त अवगत कराएँ।
6. इस परीक्षा पुस्तिका में **दो** भाग IV और V हैं, जिनमें **60** वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जो प्रत्येक 1 अंक का है :
   भाग IV : भाषा I — (बंगाली) *(प्र. 91 से प्र. 120)*
   भाग V : भाषा II — (बंगाली) *(प्र. 121 से प्र. 150)*
7. भाग IV में भाषा I के लिए 30 प्रश्न और भाग V में भाषा II के लिए 30 प्रश्न दिए गए हैं। इस परीक्षा पुस्तिका में केवल बंगाली भाषा से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं। **यदि भाषा I और/या भाषा II में आपके द्वारा चुनी गई भाषा(एँ) बंगाली के अलावा है तो कृपया उस भाषा वाली परीक्षा पुस्तिका माँग लीजिए। जिन भाषाओं के प्रश्नों के उत्तर आप दे रहे हैं वह आवेदन पत्र में चुनी गई भाषाओं से अवश्य मेल खानी चाहिएँ।**
8. **परीक्षार्थी भाग V (भाषा II) के लिए, भाषा सूची से ऐसी भाषा चुनें जो उनके द्वारा भाषा I (भाग IV) में चुनी गई भाषा से भिन्न हो।**
9. रफ कार्य परीक्षा पुस्तिका में इस प्रयोजन के लिए दी गई खाली जगह पर ही करें।
10. सभी उत्तर केवल OMR उत्तर पत्र पर ही अंकित करें। अपने उत्तर ध्यानपूर्वक अंकित करें। उत्तर बदलने हेतु श्वेत रंजक का प्रयोग निषिद्ध है।

SEAL

Name of the Candidate (in Capitals) : ______________________
परीक्षार्थी का नाम (बड़े अक्षरों में) :
Roll Number (अनुक्रमांक) : in figures (अंकों में) ______________________
: in words (शब्दों में) ______________________
Centre of Examination (in Capitals) : ______________________
परीक्षा केन्द्र (बड़े अक्षरों में) :
Candidate's Signature : ______________ Invigilator's Signature : ______________
परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : निरीक्षक के हस्ताक्षर :
Facsimile signature stamp of Centre Superintendent ______________________

বর্তমান পুস্তিকাটি 20 পৃষ্ঠা সমন্বিত ।

পরীক্ষা পুস্তিকা কোড

**G**

# JBC – 12A

# প্রশ্ন পত্র I

# ভাগ IV & V

# বাংলা ভাষা পরিশিষ্ট

**যতক্ষণ পর্যন্ত না বলা হবে, ততক্ষণ পর্যন্ত পরীক্ষা পুস্তিকাটি খুলবেন না ।**

**পরীক্ষা পুস্তিকাটির পিছনের আবরণীতে (পৃষ্ঠ 19 এবং 20) মুদ্রিত নির্দেশ গুলি মন দিয়ে পড়ুন ।**

***পরীক্ষার্থীদের প্রতি নির্দেশ***

1. যে সব পরীক্ষার্থী **বাংলা** ভাষায় ভাগ IV (ভাষা I) (Part IV, Language I) **অথবা** ভাগ V (ভাষা II) (Part V, Language II) – এর কিন্তু দুটিরই নয় – উত্তর দিতে চান, তাঁদের জন্য এই পুস্তিকাটি মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার একটি পরিশিষ্ট বিশেষ ।
2. পরীক্ষার্থীরা ভাগ I, II, III এর উত্তর মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকা থেকে দেবেন এবং ভাগ IV এবং V এর উত্তর তাদের নিজেদের নির্বাচিত ভাষার থেকে দেবেন ।
3. ইংরেজি এবং হিন্দি ভাষার উপর প্রশ্ন মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার ভাগ IV এবং ভাগ V এ দেওয়া আছে । পরীক্ষার্থীরা আলাদা করে ভাষা-পরিষিষ্টগুলি (Language Supplements) চেয়ে নিতে পারেন ।
4. এই পৃষ্ঠার বিবরণ গুলি লেখার জন্য এবং উত্তর পত্রে উত্তর চিহ্নিত করণের জন্য **কেবলমাত্র নীল/কালো বল্ পয়েন্ট্ পেনই** ব্যবহার করতে হবে ।
5. বর্তমান ভাষা-পুস্তিকার (Language Booklet) কোড **G**. এই ভাষা পরিশিষ্ট পুস্তিকার কোড এবং উত্তর পত্রের দ্বিতীয় পৃষ্ঠায় মুদ্রিত কোড ও মুখ্য পরীক্ষা পুস্তিকার উপরে মুদ্রিত কোড একই কি না, পরীক্ষার্থীরা সেটা অবশ্যই নিশ্চিত হয়ে নেবেন । কোড এক না হলে পরীক্ষার্থী অবিলম্বে পরীক্ষা নিরীক্ষক (invigilator) – এর দৃষ্টি আকর্ষণ করবেন এবং তাকে ভাষা পরিশিষ্ট পরীক্ষা পুস্তিকাটি বদলে দিতে বলবেন ।
6. এই পরীক্ষা পুস্তিকাটি IV এবং V – এই দুই ভাগে বিন্যস্ত এবং এর মধ্যে **60**টি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন (Objective Type Questions) বর্তমান । প্রতিটি বস্তুনিষ্ঠ প্রশ্ন 1 নম্বরের ।

   ভাগ IV : ভাষা I – (বাংলা) *(প্রশ্ন সংখ্যা : 91 থেকে 120)*

   ভাগ V : ভাষা II – (বাংলা) *(প্রশ্ন সংখ্যা : 121 থেকে 150)*
7. ভাগ IV এ ভাষা I এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন এবং ভাগ V এ ভাষা II এর জন্য আছে 30টি প্রশ্ন । যদি ভাষা I এবং/অথবা ভাষা II এর জন্য আপনার নির্বাচিত ভাষাটি (গুলি) বাংলা না হয়ে অন্য কিছু হয় – তা হলে অনুগ্রহ করে আপনার নির্বাচিত ভাষার পরীক্ষা পুস্তিকা চেয়ে নিন । আপনি আপনার আবেদন পত্রে (Application Form) যে নির্বাচিত ভাষার উল্লেখ করেছেন, আপনাকে ঠিক সেই ভাষাতেই উত্তর লিখতে হবে ।
8. পরীক্ষার্থীদের ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য প্রদত্ত ভাষা-তালিকা থেকে এমন একটি ভাষা নির্বাচন করতে হবে – যা তার ভাষা I (ভাগ IV) এর জন্য নির্বাচিত ভাষা থেকে আলাদা । অর্থাৎ ভাষা I (ভাগ IV) এবং ভাগ V (ভাষা II) এর প্রশ্নোত্তরের জন্য একই ভাষা নির্বাচন চলবে না ।
9. পরীক্ষা পুস্তিকায় পরীক্ষার্থীর নিজের কাজ (rough work) – এর জন্য নির্দিষ্ট খালি জায়গার মধ্যেই rough work করতে হবে।
10. সব উত্তর OMR উত্তর-পত্রের মধ্যেই চিহ্নিত করতে হবে । উত্তর চিহ্নিত করণের কাজটি সাবধানতার সঙ্গে করতে হবে ।

পরীক্ষার্থীর নাম (ছাপার অক্ষরে) ______________________

ক্রমিক সংখ্যা : (সংখ্যায়) ______________________

: (অক্ষরে) ______________________

পরীক্ষা কেন্দ্র (ছাপার অক্ষরে) : ______________________

পরীক্ষার্থীর স্বাক্ষর : ______________ পরীক্ষা নিরীক্ষকের স্বাক্ষর : ______________

Facsimile signature stamp of
Centre Superintendent ______________________

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলা কে

ভাষা **I** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন,

তারা-ই শুধু এই অংশের উত্তর

দেবেন ।

# ভাগ IV
# ভাষা I
# বাংলা

*নির্দেশ : নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির সঠিক উত্তর বেছে লিখুন ।*

**91.** "সৃজনশীল পঠনের" (creative reading) দৃষ্টান্ত হল –

(1) অর্থের খোঁজে পাঠ করা (reading for meaning)

(2) বিষয় সম্বন্ধে আরও তথ্যসংগ্রহের জন্য পাঠাগারে (library) সূত্র-নির্দেশক (reference work) কাজ করা

(3) সম্পর্কিত তথ্যাবলীর সন্ধানে অন্তর্জাল (internet) অনুসন্ধান করা

(4) ভিন্ন বা স্বতন্ত্র দৃষ্টিকোণ থেকে বিষয়টির নাট্যায়ন (dramatization) ভূমিকা-নির্ধারণ (role play) এবং পুনর্লিখনের (re-write) কাজ করা

**92.** 'স্কিমিং' (skimming) কী ?

(1) বিভিন্ন ভাবনা, প্রয়োগ এবং তথ্যসকলের সজ্জা বিষয়ে মতামত নির্মাণ করা

(2) খুব দ্রুত কোনো গ্রন্থ বা পাঠ্যাংশ (text)-টির উপর চোখ বোলানো এবং তার বিষয়, ভাবনা এবং মূল বক্তব্য বুঝে নেওয়া

(3) পাঠ্যাংশ বা গ্রন্থটি খুঁটিনাটি সমেত পড়ে ফেলা যা থেকে বিশেষ বিষয়, তথ্য খুঁজে নেওয়া যায় এবং অপ্রাসঙ্গিক ঘটনাবলী বা বিবরণকে ছেঁটে ফেলা যায়

(4) পাঠ্যবিষয় থেকে তথ্যাবলী নিয়ে একটি লেখ্য রূপ সৃষ্টি করা

**93.** পাঠ-সংলগ্নতা (textual cohesion) বলতে বোঝা যায় –

(1) বাক্য এবং অনুচ্ছেদগুলির সম্পর্ক তৈরী করার জন্য সর্বনাম, সংযোজক এবং সমার্থক শব্দের ব্যবহার

(2) অনুচ্ছেদ গঠন এমনভাবে করা যাতে কাহিনীর পারম্পর্য রক্ষিত হয়

(3) একটি অনুচ্ছেদে কার্যকারণসূত্রে তথ্যগুলি তুলে দেওয়া

(4) একটি দীর্ঘ, ছেদহীন পাঠরচনা করে যদৃচ্ছক্রমে জ্ঞাতব্য বিষয়গুলি তুলে দেওয়া

**94.** প্রামাণিক শ্রবণ (Authentic Listening) অর্থে বোঝায় –

(1) একজন শিক্ষকের বলা বা প্রায়-লিখিত বক্তৃতার শ্রবণ

(2) বিশেষ কাজ করার জন্য (task) প্রয়োজনীয়, বিশিষ্ট জ্ঞাতব্য বিষয়গুলিকে অনুধাবন করার উদ্দেশ্যে একাগ্র ভাবে শোনা

(3) শ্রবণ-স্তরের সেই অবস্থা যেখানে শ্রোতা একটি কাজ (task) সম্পন্ন করেন

(4) মুখে মুখে বলা বা রেকর্ড করা একটি স্বাভাবিক, স্বচ্ছন্দ কথোপকথনকে শোনা

**95.** লেখা এবং বলাকে কোন্ কোন্ বৈশিষ্ট্য পৃথক ক'রে দেয় ? প্রথমটিতে —

(1) সাধারণত দ্বিমুখ-মুক্ত (open-ended) হয়

(2) আতিশয্য বা অতিরেক এবং পুনরাবৃত্তি থকে না

(3) অনর্গল বলা বাক্‌পটুতা-ভিত্তিক কার্যতৎপরতা থাকে

(4) ব্যাকরণিক গঠন খুব নিবিড়ভাবে অনুসরণ করা হয় না

**96.** আমরা বাংলাভাষার ক্লাসে যখন বিনিময়মূলক বর্ক্তৃতা (Reciprocity of speech) এর কথা বলি, তখন যা বোঝায়, তা হল —

(1) একটি একক-সংলাপ বা প্রথাগত বক্তৃতার বদলে একটি দ্বৈত-সংলাপ চালানো

(2) দ্রুত এবং দক্ষতার সঙ্গে ভাষা ব্যবহার

(3) শ্রোতার প্রতিক্রিয়া অনুযায়ী বক্তৃতা করা

(4) কারো বলা বা লেখা কথাগুলির ফলশ্রুতি সম্পর্কে জানানো

**97.** শব্দ সজ্জার (sound sequence) পরম্পরা কীভাবে একজন শিক্ষার্থীর বাক্‌পটুতা বা কথা বলার দক্ষতাকে বাড়াতে পারে ?

(1) কিছু শুষ্ক সত্যঘটনা শুনিয়ে তাদের বলা যেতে পারে আপন আপন বয়ান বা বিবরণ দিতে

(2) কানে শোনা যায় না রেকর্ড করা কিছু শব্দমালা শিক্ষার্থীকে শুনিয়ে তাকে বলা যেতে পারে ঐ শব্দসজ্জাকে বা শব্দমালাকে গল্পের আকারে ব্যাখ্যা বা বিশ্লেষণ করতে, এইভাবে

(3) যে কোনো বাক্-মূলক কার্যক্রমের সঙ্গে জড়িয়ে কিছু উদ্দেশ্যমূলক, প্রয়োজনীয় শ্রুতিলিপি (dictation) দেওয়া যেতে পারে, এইভাবে

(4) বাক্ পটুতা বাড়ানোর জন্য শিক্ষার্থীদের মধ্যে কিছু কার্টুন বা অন্যান্য দৃশ্যমূলক ব্যাপার ছড়িয়ে দিয়ে তাদের দিয়ে কথা বলানো

**98.** একক-সংলাপ বা স্বগত ভাষণের তিনটি উপ-বৈশিষ্ট্য কী ?

(1) বক্তার সিদ্ধান্তনির্ণয়, স্বরভঙ্গী এবং পূর্বাপর বিষয়-সম্পর্ক (context) রচনার দক্ষতা

(2) দৈহিক ভঙ্গী, সিদ্ধান্ত বা অনুমিতি (inference), এবং বক্তার উপস্থিতি বা চেহারা

(3) স্বরভঙ্গী, কন্ঠস্বরের-বৈশিষ্ট্য, দ্রুতি বা গতি

(4) কন্ঠস্বরের বৈশিষ্ট্য, স্টাইল, বক্তার চেহারা

**99.** 'আহরণ' — প্রতিকূল পরিবেশ ('Acquisition' — poor environment) এমন অবস্থা যেখানে —

(1) ছাত্রদের কাছে ভাষা-শিক্ষার কোনো সুযোগই থাকে না

(2) হিন্দী/মাতৃভাষা হল Lingua-franca

(3) বাংলাভাষার ব্যবহার কেবলমাত্র ক্লাসের মধ্যেই সীমাবদ্ধ থাকে

(4) বাংলাভাষা বাড়িতে বলা হয় না একেবারেই

**100.** কোন্ শব্দজোড়টি দ্বারা জ্ঞানশৈলীকে বোঝায় (cognitive style) ?

(1) ক্ষেত্র-নির্ভরতা (field-dependence)/ ক্ষেত্র-স্বনির্ভরতা (field-independence)

(2) প্রতিযোগিতামূলক/সাহায্যকারী

(3) ব্যাখ্যামূলক/আক্ষরিক

(4) প্রত্যক্ষ/পরোক্ষ

**101.** এনকোয়ারি-ভিত্তিক শিক্ষা বা অনুসন্ধান-ভিত্তিক শিক্ষা (EBL) মানে –

(1) একটি তত্ত্ব – যা ভাষা শিক্ষার সমীপে আমাদের পৌঁছে দেয়

(2) কৌশল গুলির অভ্যাস ও প্রদর্শনীকরণ – এবং বিষয়টির শিক্ষণ

(3) একটি শব্দার্থভিত্তিক পাঠ্যক্রম যেমন ভাবনাকেন্দ্রিক-কার্যকরী পাঠ্যক্রম (notional functional syllabus)

(4) একটি নির্দেশাত্মক পদ্ধতি – যেখানে শিক্ষার্থীরা দলবদ্ধভাবে তাদের অভিজ্ঞতা জানায় এবং সমস্যার সমাধান করে

**102.** ভাষা-শিক্ষার সংকটপূর্ণ সময় (critical period) হল –

(1) সেই সময়, যা কীনা শিক্ষার্থীদের ভাষা অভ্যাসের জন্য তোলা থাকে

(2) সেই সময় যখন কীনা ভাষাটি খুব সহজেই অধিকার করা যায় – অন্যান্য সময়ের তুলনায়

(3) সময়ের সেই দৈর্ঘ্য, যা কীনা একটি ক্লাসের বোধমূলক পরীক্ষণের আগে কাটাতে হয়

(4) যে কোনো ভাষা প্রকল্পের প্রস্তুতির যে সময়

**103.** সারাংশ লেখার জন্য যে দু'টি গুণের প্রয়োজন হয় –

(1) সঠিক লিখতে পারা – সংযোজক অব্যয়গুলির ব্যবহার করে –

(2) শব্দের বদলে চিহ্ন প্রয়োগ এবং সঠিক লেখার ক্ষমতা

(3) সমার্থক শব্দ ব্যবহারের দ্বারা বক্তব্যকে নিজরে ভাষার পুনর্লিখিত করার ক্ষমতা

(4) বক্তব্যের (text) মধ্যে ভাবনাগুলিকে গুরুত্ব অনুযায়ী চিনে নিতে পারা এবং অধিক গুরুত্বপূর্ণ এবং কম-গুরুত্বপূর্ণ সূত্রগুলির বেছে নেওয়ার ক্ষমতা

**104.** বিভিন্ন কালরূপের (tense forms) মধ্যে যখন শিক্ষার্থী পার্থক্য করতে পারেনা, তখন যে প্রতিকারমূলক ব্যবস্থা নেওয়া দরকার –

(1) একে-অপরের কাছে বাস্তব জীবনের বিভিন্ন ঘটনা বর্ণনা করবার অভ্যাস করতে করতে সম্মিলিতভাবে শিখবে

(2) নির্দিষ্ট কালরূপকে চেনা যায় এমন প্রচুর বাক্য দিয়ে শেখানো

(3) শিক্ষার্থীরা নিজেরা বাক্য নির্মাণ করবে এবং শিক্ষক তাদের পরিচালক ও নির্দেশক রূপে কাজ করবেন

(4) ক্লাসঘরের বাইরেও তারা বাক্য গড়তে শিখবে

**105.** CCE প্রবর্তন করার ফলে –

(1) শিক্ষকরা শিক্ষার্থীদের নিয়ন্ত্রণ করতে পারেন আরো বেশি করে

(2) শিক্ষার্থীদের মূল্যায়ন করার কাজটি নিয়মিত হয়েছে

(3) শিক্ষার্থীরা নানাবিধ কাজ-করার আনন্দ পায়

(4) পড়াশুনায় বেশি জোর দেওয়া যাচ্ছে

*নির্দেশ : নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদটি পড়ন / প্রদত্ত প্রশ্নগুলির (106 – 114 পর্যন্ত) উত্তর বেছে লেখ /*

বিজ্ঞানের ইতিহাস-আলোচনার পথিকৃৎ হিসাবে আচার্য প্রফুল্ল চন্দ্র রায় এবং আচার্য ব্রজেন্দ্রনাথ শীলের নাম এদেশে অগ্রগণ্য । আচার্য রায় বিদেশে কৃতবিদ্য হয়ে উনিশ শতকের শেষে এদেশে আসেন । অধ্যাপক ও গবেষক হিসাবে কাজ করতে করতেই তিনি বৈদ্যক শাস্ত্রের আদি গ্রন্থগুলির অধ্যয়ন করে জানতে পারলেন যে, পুরাকাল থেকেই হিন্দুরা ক্ষার ও অম্লকের প্রস্তুত-প্রণালী আবিষ্কার করেছিলেন । 'হিন্দু রসায়ন ইতিহাসে'র প্রথম খণ্ডে ১৯০২ সালে হিন্দুদের রসায়ন-চর্চার অনেক গুরুত্বপূর্ণ খবর তিনি দিয়েছেন । দ্বিতীয় খণ্ডটি শেষ হল ১৯০৮ সালে । আচার্য ব্রজেন্দ্রনাথ শীল এ-গ্রন্থ রচনায় নানাভাবে আচার্য রায়কে সাহায্য করেছিলেন । আচার্য শীল ছিলেন অলোকসামান্য প্রতিভাধর এবং বিশ্ববিখ্যাত দার্শনিক; পূর্বোক্ত পুস্তকের শেষে, প্রাচীন হিন্দুদের বস্তু-উৎপত্তি ও গুণের বিষয়ে অনেক তত্ত্বকথা ছিল । সাংখ্য দর্শনে আছে, সাধারণ নিয়মে বিশ্বের বিবর্তন হয়েছে, আবার বেদান্ত, মীমাংসা ও বৌদ্ধশাস্ত্র বা চরকের মতবাদে যে বস্তুর রাসায়নিক ও ভৌমিক গুণের উৎপত্তি নিয়ে অনেক জল্পনা রয়েছে – এরকম চিন্তামূলক বিবৃতি দিয়েছেন আচার্য শীল ঐ গ্রন্থেই । এই বিবৃতি দেওয়ার সময়ে ব্যাসভাষ্য, চরক সংহিতা, উদ্দ্যোৎকারের বর্তিকা, প্রশস্তপাদের ভাষ্য ও বরাহমিহিরের বৃহৎসংহিতার উপরই তিনি মুখ্যত নির্ভর করেছিলেন ।

**106.** বিজ্ঞানের ইতিহাস-আলোচনার পথিকৃৎ হিসাবে কোন্ দুই মনীষীর কথা এখানে বলা হয়েছে ?

(1) আচার্য প্রফুল্লচন্দ্র রায় এবং আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু

(2) আচার্য জগদীশচন্দ্র বসু এবং আচার্য সত্যেন্দ্রনাথ বসু

(3) আচার্য প্রফুল্লচন্দ্র রায় এবং আচার্য ব্রজেন্দ্রনাথ শীল

(4) আচার্য মেঘনাদ সাহা এবং আচার্য ব্রজেন্দ্রনাথ শীল

**107.** আচার্য রায় বিদেশে কৃতবিদ্য হয়ে কোন্ সময়ে দেশে ফিরেছিলেন ?

(1) ঊনবিংশ শতকের পঞ্চাশের দশকে

(2) ঊনবিংশ শতকের গোড়ার দিকে

(3) বিংশ শতকের গোড়ায়

(4) ঊনবিংশ শতকের শেষে

**108.** বৈদ্যক শাস্ত্রের আদি গ্রন্থগুলি অধ্যয়ন করার সময় আচার্য রায় বৃত্তিগত ভাবে কী কাজ করতেন ?

(1) অধ্যাপনা ও গবেষণা

(2) চিকিৎসা ও সমাজসেবা

(3) সমাজসেবা ও গবেষণা

(4) প্রযুক্তিবিদ্ ও চিকিৎসক

**109.** বৈদ্যক শাস্ত্রের আদি গ্রন্থগুলি অধ্যয়ন করে প্রফুল্লচন্দ্র কী জেনেছিলেন ?

(1) আগুনের ব্যবহারে হিন্দুরা অনেককাল ধরেই এগিয়ে ছিলেন

(2) হিন্দুরা ক্ষার ও অম্লবের প্রস্তুত-প্রণালী পুরাকাল থেকেই জানতেন

(3) হিন্দুরা বহুকাল ধরেই চন্দ্রাভিযানে যাচ্ছিলেন

(4) হিন্দুরা পুরাকাল থেকেই প্রযুক্তিবিদ্যায় অগ্রসর ছিলেন

**110.** হিন্দুদের রসায়নচর্চার খবর আচার্য রায় প্রথম কোন্ গ্রন্থে, কবে দিলেন ?

(1) হিন্দু রসায়ন ইতিহাসে ১৯১০ সালে

(2) হিন্দু বিজ্ঞানের ইতিহাসে ১৯০২ সালে

(3) হিন্দু জাতির উত্থানে ১৯০২ সালে

(4) হিন্দু রসায়ন ইতিহাসে ১৯০২ সালে

**111.** আচার্য ব্রজেন্দ্রনাথ শীল আচার্য রায়ের উপর্যুক্ত গ্রন্থের সঙ্গে কীভাবে জড়িয়ে ছিলেন ?

(1) আচার্য শীল আচার্য রায়কে হিন্দু-দর্শনের কূট-তর্কসকল নিষ্পত্তিতে বিশেষ-ভাবে তত্ত্বাবধান করেছিলেন

(2) তিনি গ্রন্থটির নামকরণ করেছিলেন

(3) গ্রন্থটির প্রকাশনার দায়িত্বভার গ্রহণ করেছিলেন

(4) আচার্য শীল আচার্য রায়ের এই পুস্তকরচনায় অনেক ভাবে সাহায্য করেছিলেন এবং পুস্তকের শেষে হিন্দু রসায়ন-চিন্তা, ভৌমিক গুণের উৎপত্তি-চিন্তা বিষয়ে একটি বিবৃতি দিয়েছিলেন

**112.** ব্রজেন্দ্রনাথ শীলের কোন্ পরিচয় উপর্যুক্ত অনুচ্ছেদে দেওয়া হয়েছে ?

(1) আচার্য শীল প্রফুল্লচন্দ্র রায়ের অকৃত্রিম বন্ধু ছিলেন

(2) আচার্য শীল ছিলেন ভাষাবিদ্ এবং শিক্ষক

(3) আচার্য ব্রজেন্দ্রনাথ শীল অলোকসামান্য প্রতিভাধর এবং বিশ্ববিখ্যাত দার্শনিক ছিলেন

(4) তিনি আচার্য প্রফুল্লচন্দ্র রায়ের সহকারী ছিলেন

**113.** আচার্য প্রফুল্লচন্দ্র রায়ের হিন্দু রসায়ন ইতিহাসের দ্বিতীয় খণ্ডটি শেষ হয়েছিল —

(1) ১৮০২ সালে

(2) ১৯০২ সালে

(3) ১৯০৮ সালে

(4) ১৯০৩ সালে

**114.** আচার্য প্রফুল্লচন্দ্র রায়ের হিন্দু রসায়ন ইতিহাসের শেষে আচার্য শীল যে চিন্তামূলক বিবৃতি দেন, তার উৎস-গ্রন্থ ছিল —

(1) ঋক্‌বেদ, সামবেদের কিছু অংশ, উপনিষৎ

(2) অথর্ববেদ

(3) ব্যাসভাষ্য, চরক-সংহিতা, উদ্দ্যোৎকারের বর্তিকা, প্রশস্তপাদের ভাষ্য ও বরাহমিহিরের বৃহৎসংহিতা

(4) বিভিন্ন সংহিতার টীকাভাষ্য

*নির্দেশ : নীচের কবিতাটি পড়ে [ 115 – 120 পর্যন্ত ] প্রশ্নগুলির উত্তর বেছে নিয়ে লেখ ।*

বাংলার মুখ আমি দেখিয়াছি তাই আমি পৃথিবীর রূপ
খুঁজিতে যাই না আর; অন্ধকারে জেগে উঠে ডুমুরের গাছে
চেয়ে দেখি ছাতার মতন বড়ো পাতাটির নীচে বসে আছে
ভোরের দোয়েল পাখি – চারিদিকে চেয়ে দেখি পল্লবের স্তূপ
জাম – বট – কাঁঠালের – হিজলের – অশথের করে আছে চুপ;
ফণীমনসার ঝোপে শটিবনে তাহাদের ছায়া পড়িয়াছে;
মধুকর ডিঙা থেকে না জানি সে কবে চাঁদ চম্পার কাছে
এমনই হিজল – বট – তমালের নীল ছায়া বাংলার অপরূপ রূপ দেখেছিল;

**115.** কবিতাংশে বাংলার মুখ দেখেছেন বলে কবির –

(1) বিরাগ ও অসূয়া ব্যক্ত করেছেন
(2) দুঃখ ও বেদনা প্রকাশ করেছেন
(3) আনন্দ ও গর্ববোধ প্রকাশ করেছেন
(4) ঈর্ষ্যা ও ঘৃণা ব্যক্ত করেছেন

**116.** কবিতাংশে বাংলার কোন্ বিষয়ের বা রূপের কথা বলা হয়েছে ?

(1) ভাষিক-বৈচিত্র্যগত রূপ
(2) ভৌগোলিক রূপ
(3) সাংস্কৃতিক রূপ
(4) প্রাকৃতিক রূপ

**117.** কবি বাংলার মুখ দেখেছেন বলে কোথায় যেতে বা কী খুঁজতে যান না ?

(1) পৃথিবীর রূপ খুঁজতে যান না
(2) বিদেশে যেতে চাননা
(3) ঘরের বাইরে যেতে চাননা
(4) বিজ্ঞানের জয়যাত্রা খুঁজতে যাননা

**118.** অন্ধকারে জেগে উঠে কী দেখেন কবি ?

(1) দেখেন যে চরাচর জুড়ে এক অন্যরকম আলো অন্ধকারের সঙ্গে খেলা করছে
(2) ছাতার মতন বড়ো পাতাটির নীচে ব'সে আছে ভোরের দোয়েল পাখি
(3) সমস্ত মাঠে শিশির পড়েছে
(4) থুরথুরে অন্ধপ্যাঁচা ছাতার মতন ডালে ব'সে আছে

**119.** ফনীমনসার ঝোপে শটিবনে কাদের ছায়া পড়েছে ?

(1) আম – বট – কাঁঠালের – শেফালির – হিজলের
(2) বহুবিচিত্র মানুষের
(3) জাম – বট – কাঁঠালের – হিজলের – অশথের
(4) অনেক অনামা কুসুমের – পত্র ও শাখাদের

**120.** মধুকর-ডিঙা থেকে কে, কী দেখেছিল ?

(1) চাঁদ সদাগর হিজল, বট, তমালের নীল ছায়া দেখেছিল
(2) বেহুলা চম্পকনগরী দেখেছিল
(3) চন্দ্রবণিক বেহুলাকে দেখেছিল
(4) সোনালি ধানের পাশে চাঁদ নীল ছায়া দেখেছিল

যে-সব পরীক্ষার্থী বাংলা কে

**ভাষা II** হিসাবে নির্বাচিত করেছেন,

তারা-ই শুধু এই অংশের উত্তর

দেবেন ।

→

# ভাগ V
## ভাষা II
## বাংলা

*নির্দেশ : চারটি সম্ভাব্য উত্তরের মধ্য থেকে সঠিক উত্তরটিকে চিহ্নিত করে নীচের প্রশ্নগুলির উত্তর দিন।*

**121.** 'কখনোই হাল ছেড়োনা' – এই ভাবনটি ছাত্রদের মধ্যে গেঁথে দেওয়ার উপযুক্ত পদ্ধতি হল যখন ছাত্ররা –

(1) বাংলার ক্লাসের সময় প্রিন্সিপ্যালের অনুমতি আদায় করে তারা ক্লাসের বাইরে গিয়ে খেলে

(2) শিক্ষক-অভিভাবক বৈঠকের সময় দুটি জনপ্রিয় গান গায় এবং তাদের নিজেদের তৈরী ললিতকলা এবং হস্তশিল্পের প্রদর্শন করে

(3) তাদের কাগজের এরোপ্লেনকে সংশোধন করে এবং বারবার পরীক্ষা করে, সেগুলি কতদূরে ছোঁড়া যায় – তার পুনঃ পুনঃ পরীক্ষা ও প্রচেষ্টা করে, তারপর তাদের অভিজ্ঞতা ভাগ করে নেয়

(4) একসঙ্গে গ্রুপ তৈরী করে ছক্‌চিত্র নির্মাণ করে, যার মধ্যে দিয়ে তারা ভবিষ্যৎ-জীবনের নানান প্রতিকূল অবস্থার আভাস পায়

**122.** প্রাক-প্রাথমিক স্তরে পাঠ তৈরী হল কীনা, তা সফলতাপূর্বক যে ভাবে পরীক্ষা করা যায় –

(1) পঠিত পুস্তক বা পাঠ্যের বিষয়ে 50টি শব্দের একটি মূল্যায়ন-রচনা করতে বলা যাকে একটি ক্ষুদ্রপ্রকল্পও বলা চলে

(2) পাঠ্যের শব্দগুলির এবং ভাব বা অর্থ ভিত্তিক মৌখিক প্রশ্নোত্তরের দ্বারা

(3) গল্প বা পাঠ্যের অন্তর্ভুক্ত চরিত্র এবং ঘটনাগুলির উপর লিখিত পরীক্ষাগ্রহণের দ্বারা

(4) ছাত্ররা কতটা পড়েছে তা জানার জন্য মৌখিক পরীক্ষা নেওয়া

**123.** ভাষা-আহরণ (Language acquisition) হল –

(1) একটি প্রক্রিয়া – যা সেই-পরিবেশকে তৈরী করে দেবে যেখানে শিশুরা স্বীয় ভাষাটিকে শিখে ফেলতে পারে

(2) প্রয়োজনীয় শব্দভাণ্ডারের কন্ঠস্থীকরণ এবং তার ব্যবহার

(3) শব্দভাণ্ডারের কন্ঠস্থীকরণ বা মুখস্থীকরণ এবং ব্যাকরণের বোধ ও ব্যাখ্যা

(4) একটি পদ্ধতি – মনুষ্য-মস্তিষ্কের জন্মগত শক্তির ফলেই যার দ্বারা একটি দেশীয় বা স্বীয়ভাষা স্বাভাবিক ভাবেই শিখে ফেলা যায়

124. পাঠ্যক্রমের উন্নয়নসাধন নিম্নলিখিত যে অনুক্রমটি অনুসরণ করে করা সম্ভব —
(1) উদ্দেশ্য স্থির করা, প্রয়োজনগুলি বোঝা, মূল্যায়ন করা, পাঠ্যবিষয় বা পুস্তক নির্বাচন, শেখার অভিজ্ঞতা, শোনা
(2) লক্ষ্য বা উদ্দেশ্য স্থির করা, প্রয়োজন বুঝে নেওয়া, পাঠ্যবিষয় নির্বাচন, শিক্ষার অভিজ্ঞতা, মূল্যায়ন করা
(3) পাঠ্যবিষয় নির্বাচন, শিক্ষার অভিজ্ঞতা, প্রয়োজন গুলি বোঝা, উদ্দেশ্য স্থির করা, মূল্যায়ন
(4) প্রয়োজনগুলি বিশ্লেষণ করা, উদ্দেশ্য স্থির করা, পাঠ্যবিষয় বা পুস্তকের নির্বাচন, শেখার অভিজ্ঞতা শোনা, মূল্যায়ন

125. এমন একটি মাধ্যম যা শিক্ষার্থীদের দৃষ্টান্তমূলক অভিজ্ঞতা দেবে —
(1) ক্ষেত্র-পরিভ্রমণ এবং দর্শন
(2) বাস্তব বস্তু এবং উদাহরণ
(3) ভাববাচক শব্দ এবং ঘটনার সমীক্ষা (case study)
(4) লেখা ও ছবি সম্পন্ন প্রদর্শন-বোর্ড ও চলচ্চিত্রের অংশ

126. কম্প্যুটার সমন্বিত নির্দেশ (CAI), 'উদ্দীপিত অবস্থা' (simulation mode) হল, যেখানে শিক্ষার্থীরা —
(1) সেইসব সমস্যার সম্মুখীন হয়, পরীক্ষা ও ভুলের দ্বারা যার নিরসন হয়
(2) বাস্তব জীবনের প্রণালীগুলির এবং নিয়মগুলির অভিজ্ঞতা লাভ করে
(3) টুক্‌রো টুক্‌রো বা আংশিক তথ্য এবং তার সঙ্গে জড়িত প্রশ্নের থেকে তাৎক্ষণিক জবাব পায়
(4) অভ্যাসের পুনরাবৃত্তির সঙ্গে সঙ্গে ধারাবাহিক বা নিয়মিত কসরৎ, শরীরচর্চা করে

127. একটি 'শ্রুতিনির্ভর উদ্দীপক' (listening stimulus) হল সেই নিয়ম —
(1) শিক্ষার্থীরা যাতে সম্পূর্ণ শোনে এবং কাজ দেখাতে পারে তার ব্যবস্থা করা
(2) যেখানে ভিন্ন ভিন্ন গ্রুপের শিক্ষার্থীদের শিক্ষণীয় বিষয়গুলির ধারণা দেওয়া হয় এবং ঐ শিক্ষার্থীরা আবার একজোট হয়ে সেই ধারণাগুলিকে ভাগ করে নেয়
(3) একটি তথ্য-শুন্য কার্যক্রম যেমন — নির্দেশ দান
(4) একটি ভাল মন্তব্যসম্পন্ন বক্তৃতার শ্রবণ

128. কথা বলার দক্ষতার মূল্যায়নে 'বিনিময়মূলক নিত্যকর্ম' (international routine) থাকে —
(1) দুটি বস্তু, স্থান ও ঘটনার মধ্যে তুলনা করে পরীক্ষক বা মূল্যায়নকারীকে বলা
(2) অর্থের দ্বিপাক্ষিক সমঝোতা, নিজের সময়ের অপেক্ষা করা এবং অন্যদের বলার সময় দেওয়ার ব্যাপার
(3) নিজের স্কুল ও তার পরিবেশ সম্বন্ধে অনুষ্ঠানিকতাবিহীন (informally) জানানো
(4) টেলিফোন-এ একে অন্যের সঙ্গে কথা বলা

129. লেখার মধ্যে দিয়ে পুনরুদ্ধারের কৌশল হল —
(1) তথ্যগুলিকে সাজানো যখন পড়া বা শোনা হচ্ছে
(2) নোট তৈরী এবং নোটগ্রহণ
(3) ছবি আঁকা এবং সারসংক্ষেপ নির্মাণ
(4) সূত্রগুলি (reference) তৈরী করার আত্যন্তিক দক্ষতা

130. সচেতনতা বৃদ্ধি (raising awareness) — এই খেলার শিক্ষার্থীদের উৎসাহ দেয় —

(1) প্রদত্ত বিষয়কে জানা এবং একে-অপরকে তার গঠনগুলি জানানো

(2) গঠন সম্বন্ধে শিক্ষার্থীরা যা শিখেছে সেগুলিকে সচেতনভাবে চিন্তা করা

(3) একটি প্রদত্ত কাজকে সকলের মিলিত উদ্যোগে সম্পন্ন করা

(4) শিক্ষক যখন গঠনগুলিকে নিয়ন্ত্রণ করছেন, তখন তার অর্থবোধ এবং অনুভব করার চেষ্টা করা

131. নোয়াম চমস্কি যখন বলেন 'গভীর গঠন' (deep structure) এর কথা তখন যা বোঝান —

(1) সেই বিশ্বজনীন ব্যাকরণ যা যে-কোনো ভাষার গভীরেই লুকিয়ে থাকে এবং মনুষ্য-মস্তিষ্কের সহজাত ক্ষমতার সঙ্গে যা সম্পর্কস্থাপন করে

(2) প্রচণ্ড পড়াশুনোর দ্বারা কিছু গোপন, লুক্কায়িত ব্যাকরণিক সূত্রগুলিকে শিখে নেওয়া

(3) তুলনামূলক ভাষাতত্ত্বের প্রতি আগ্রহ বাড়িয়েতোলে এমন রূপান্তরকরণ-বিষয়ক ব্যাকরণ

(4) একটি প্রবণতা যার দ্বারা বোঝায় যে ইংরাজি হল বিশ্বের একটি অতি-সাধারণ সহায়ক ভাষা (auxiliary language)

132. পাঠ্যক্রমের বট্‌ম আপ্‌ মডেল (Bottom up Model) হল সেইটি যেখানে —

(1) একটি প্রয়োজনভিত্তিক দূর-শিক্ষা পদ্ধতি যা শিক্ষার্থীদের উপর পরোক্ষ প্রভাব রাখে

(2) শিক্ষার্থীর কাছে, পাঠ্যক্রমটি যাতে অধিক বন্ধুতাপূর্ণ হয় — এমন সফ্‌টওয়্যার-সকলের দ্বারা শেখানো হয়

(3) এমন একটি পাঠ্যক্রম যা শিক্ষার্থীদের পাঠ্যক্রম নির্ভর কার্যক্রম বেছে নিতে স্বাধীনতা দেয় এবং কাজের মধ্যে দিয়ে শিক্ষাগ্রহণে উৎসাহ দেয়

(4) সেই শিক্ষাপদ্ধতি যা শিক্ষার্থীদের বৃত্তি গ্রহণে পথনির্দেশ করে

133. মানবতাবাদী দৃষ্টিভঙ্গীর বিশেষ সুরটি হল —

(1) একটি পদ্ধতি যেখানে শিক্ষার্থীদের ঘটনাক্রম এবং তার বিষয়-সম্বন্ধীয় উপস্থাপনা শেখানো হয়

(2) শিক্ষাগত শাখাগুলির সমস্ত বৈশিষ্ট্যসহ সেগুলির উপর দক্ষতা অর্জন

(3) অধীত-গঠন, বিষয়, ভাবনা এবং সিদ্ধান্ত গুলিকে নতুন পরিস্থিতিতে প্রয়োগ করা

(4) একটি পদ্ধতি যা কীনা শিক্ষার্থীদের তাদের নিজেদের জন্য গঠন-আবিষ্কারে সাহায্য করে

134. একটি 'বিশেষ প্রয়োজনমূলক শ্রেণীকক্ষ (Special needs classroom) এর আদর্শ হল —

(1) নিয়মিত-শিক্ষকদের সাহায্য করার জন্য অতিরিক্ত শিক্ষকবৃন্দ থাকে

(2) অত্যন্ত সুন্দরভাবে সজ্জিত

(3) আলাদা ভাবে অবস্থিত

(4) সকল প্রকারের শিক্ষার্থীকে গ্রহণ করে বা সবরকম ছাত্রছাত্রীর জন্য হয়

135. পঠন-পূর্ব কার্যক্রমের বা কাজকর্মের উদ্দেশ্য কী ?

(1) শিক্ষার অভিজ্ঞতাকে আনন্দময় করে তোলা

(2) নতুন শব্দ শিক্ষা দেওয়া

(3) শিক্ষার্থীদের ‘জ্ঞান’ বাড়িয়ে তোলা

(4) পাঠ (lesson) এর প্রতি শিক্ষার্থীদের আগ্রহ জাগিয়ে তোলা

*নির্দেশ : নিম্নলিখিত গদ্যাংশটি পড়ে প্রশ্নগুলির উত্তর বেছে (প্রশ্ন সংখ্যা 136 থেকে 141 পর্যন্ত) নিয়ে লিখুন ।*

পাশ্চাত্য শিক্ষাবিস্তারের পূর্বে দেশীয় শিক্ষার মান ছিল অত্যন্ত শোচনীয় । টোল, চতুষ্পাঠী, পাঠশালা, মক্তব, মাদ্রাসা ইত্যাদিতে যে শিক্ষা দেওয়া হত তা ছিল নিতান্ত প্রাথমিক স্তরে সীমাবদ্ধ, স্বাধীন চিন্তার পরিপন্থী এবং চলমান বিশ্বের সঙ্গে সম্পর্কচ্যুত । এডাম স্মিথ তাঁর শিক্ষাবিষয়ক রিপোর্টে শিক্ষাজগতের যে ছবি এঁকেছেন তা অন্তত গর্ব করার মতো নয় । তখনকার গুরুমশাইদের দারিদ্র্য ছিল অপরিসীম এবং অজ্ঞতা প্রবাদতুল্য । অবশ্য যথার্থ জ্ঞানসাধকও ছিলেন কেউ কেউ কিন্তু তাঁদের জ্ঞান যুগের সঙ্গে তাল মিলিয়ে চলতে পারেনি । তাঁদের যা-কিছু পটুত্ব তা ছিল শাস্তিদানের নব নব উপায় উদ্ভাবনে । এডাম তাঁর শিক্ষাবিষয়ক রিপোর্টে ১৪ রকমের শাস্তিদানের উল্লেখ করেছেন — নৃশংসতায় সেগুলি তুলনাহীন । গ্রামাঞ্চলের কথা বাদ দিলেও কলকাতার ১৯০ টি বাংলা পাঠশালার ৪,১৮০ জন শিক্ষার্থীর শিক্ষার মানও অতিশোচনীয়. — স্কুল সোসাইটির প্রথম রিপোর্ট একথাই বলেছিল । এই অবস্থায় পাশ্চাত্য শিক্ষাই প্রথম অন্তত কিছুসংখ্যক বাঙালীর কাছে শিক্ষার নতুন অর্থ বহন করে আনল । তাছাড়া ইংরেজি শিখলে সরকারী চাকরী পাবার সম্ভাবনা তৈরী হল বলে অভিভাবকরা তাঁদের সন্তানদের ইংরেজি শিক্ষাতেই শিক্ষিত করতে চাইলেন । এ কথা স্বীকার করে নিয়েও বলা যায়, এইসময় বাঙালীর মধ্যে জ্ঞানতৃষ্ণা জেগেছিল ।

136. পাশ্চাত্য শিক্ষাবিস্তারের পূর্বে দেশীয় শিক্ষাবিস্তারের মান কেমন ছিল ?

(1) বর্বর

(2) খুবই খারাপ, শোচনীয়

(3) খুব উচ্চ

(4) দারিদ্র্যস্পৃষ্ট, অথচ ভাল

137. প্রাথমিক স্তরের শিক্ষা যেখানে দেওয়া হত, সেগুলির মধ্যে ছিল —

(1) টোল, চতুষ্পাঠী, মাদ্রাসা, মক্তব, পাঠশালা

(2) টোল, চতুষ্পাঠী, ইংরাজি স্কুল, মক্তব

(3) চতুষ্পাঠী, ডিগ্রী কলেজ, মাদ্রাসা

(4) গুরুগৃহ, মক্তব, মাদ্রাসা, ফ্রি-স্কুল

**138.** এডাম স্মিথ তাঁর শিক্ষাবিষয়র রিপোর্টে যে গুরুমশায়দের কথা লিখেছেল, তাঁরা দরিদ্র ছিলেন এবং

(1) তাঁদের জ্ঞান ছাত্রদের নানাভাবে শিক্ষালাভে সাহায্য করত

(2) বিজ্ঞ ছিলেন, তাঁদের জ্ঞান ছিল যুগের উপযোগী

(3) তীক্ষ্ণ মেধাসম্পন্ন কিন্তু সুযোগ-বঞ্চিত ছিলেন

(4) অজ্ঞ ছিলেন, যেটুকু জ্ঞান ছিল, তা যুগোপযোগী ছিলনা

**139.** এডাম তাঁর শিক্ষাবিষয়ক 'রিপোর্টে' বলেছেন –

(1) ১৪ রকম নৃশংস শাস্তির কথা

(2) ১৪ রকম ঋণশোধের কথা

(3) কানমলা, বেত্রপ্রহার, চুলটানা, জরিমানার কথা

(4) বহুবিধ দন্ডের কথা

**140.** শিক্ষাবিষয়ক প্রথম রিপোর্টে কলকাতার উপর কয়টি বাংলা – পাঠশালার উল্লেখ পাওয়া যায় –

(1) ১৫০ টি

(2) ৪, ১৮০ টি

(3) ১৯০ টি

(4) ১৪ টি

**141.** অভিভাবকরা কেন ইংরাজি-শিক্ষার প্রতি আকৃষ্ট হলেন ? তার একটি কারণ –

(1) ইংরাজির বিজ্ঞাপনে বাজার ছেয়ে গেছিল । ইংরাজি বইপত্র ছিল সুলভ

(2) ইংরাজিই তখন পৃথিবীবাসীকে জ্ঞান-বিজ্ঞানের আলো দেখাচ্ছিল

(3) ইংরাজি ছিল দেশবিদেশের সাহিত্যকে জানার মাধ্যম

(4) ইংরাজি শিখলে সরকারী চাকরী পাওয়া যাবে

*নির্দেশ : নীচের অনুচ্ছেদটি পড়ে প্রদত্ত প্রশ্নগুলির উত্তর বেছে লিখুন (142 – 150 নং) ।*

বৈদ্যনাথ গ্রামের মধ্যে বিজ্ঞ ছিলেন; সেইজন্য তিনি ভবিষ্যতের দিকে দৃষ্টি রাখিয়া বর্তমানের সমস্ত কাজ করিতেন । যখন বিবাহ করিলেন তখন তিনি বর্তমান নববধূর অপেক্ষা ভাবী নবকুমারের মুখ স্পষ্টতররূপে দেখিতে পাইয়াছিলেন । শুভদৃষ্টির সময় এতটা দূরদৃষ্টি প্রায় দেখা যায় না । তিনি পাকা লোক ছিলেন, সেইজন্য প্রেমের চেয়ে পিণ্ডটাকেই অধিক বুঝিতেন এবং পুত্রার্থে ক্রিয়তে ভার্য্যা – এই মর্মে তিনি বিনোদনীকে বিবাহ করিয়াছিলেন । কিন্তু এ সংসারে বিজ্ঞ লোকও ঠকে, যৌবনপ্রাপ্ত হইয়াও যখন বিনোদিনী তাহার সর্বপ্রধান কর্তব্যটি পালন করিল না তখন পুন্নাম নরকের দ্বার খোলা দেখিয়া বৈদ্যনাথ বড়ো চিন্তিত হইলেন । কিন্তু যুবতী বিনোদিনীর নিকট হঠাৎ এতটা প্রাজ্ঞতা প্রত্যাশা করা যায় না । সে বেচারার দুর্মূল্য বর্তমান, তাহার নববিকশিত যৌবন,

বিনা প্রেমে বিফলে অতিবাহিত হইয়া যায়, এইটেই তাহার পক্ষে সবচেয়ে শোচনীয় ছিল । পারলৌকিক পিন্ডের ক্ষুধাটা সে ইহলৌকিক চিত্তক্ষুধাদাহে একেবারেই ভুলিয়া বসিয়াছিল ।

**142.** বৈদ্যনাথের বিজ্ঞতার ফল স্বরূপ –

(1) কাছাকাছি দশটি গ্রামের তিনি ছিলেন সর্বেসর্বা

(2) ভাবী নবকুমারের প্রত্যাশায় না থেকে তিনি বর্তমানের বধূটিকেই অধিক মর্যাদা দিলেন

(3) তিনি ভবিষ্যতের দিকে দৃষ্টি রেখে বর্তমানের সমস্ত কাজ করতেন

(4) পাকা লোক হয়ে তিনি পিন্ডটার চেয়ে প্রেমকেই গুরুত্ব দিতেন বেশি

**143.** 'শুভদৃষ্টির সময় এতটা দূরদৃষ্টি প্রায় দেখা যায় না' – একথা বলার কারণস্বরূপ বলা হয়েছে –

(1) যুবতী বিনোদিনী তাঁকে তীব্রভাবে আকর্ষণ করছিল অথচ ভবিষ্যতের ভয় বৈদ্যনাথকে নববধূর থেকে দূরে ঠেলে দিচ্ছিল

(2) বিয়ের সময়ও এমনকী নববধূর তুলনায় ভাবী নবকুমার – যে তাঁকে পুন্নাম নরক থেকে উদ্ধার করবে – তার মুখই বৈদ্যনাথের বেশি মনে পড়ছিল

(3) বৈদ্যনাথের পুন্নাম-নরক-ত্রাতা নবকুমার নববধূর গর্ভে আসবেনা – এই আশংকাতে তিনি শঙ্কিত ছিলেন

(4) বিয়ের পিঁড়িতে বসেও তিনি ধর্মার্থ-কামমোক্ষের চিন্তায় মশগুল ছিলেন

**144.** 'প্রেমের চেয়ে পিন্ডটাকে' বেশি বোঝা – অর্থে বোঝার

(1) জীবনে ভালবাসার চেয়ে বংশরক্ষার দিকেই বৈদ্যনাথের নজর ছিল বেশি

(2) বৈদ্যনাথ শাস্ত্রজ্ঞ ছিলেন

(3) বৈদ্যনাথ স্ত্রীর মূল্য বুঝতেন না

(4) স্ত্রী তাঁর পিণ্ডদান করবেন, সে কথা বুঝতেন

**145.** যৌবনপ্রাপ্ত হওয়ার পরেও বিনোদিনী তার সর্বপ্রধান কর্তব্যের পালন করল না বলে লেখক কটাক্ষ করেছেন । এই কটাক্ষ কীসের প্রতি ?

(1) তথাকথিত 'প্রাজ্ঞ' বৈদ্যনাথের চিন্তাধারার প্রতি – পুরুষতন্ত্রের নির্মিত নারীভাবনার প্রতি

(2) যৌবনপ্রাপ্ত বিনোদিনীর যৌবনের প্রতি

(3) বিনোদিনীর নির্বুদ্ধিতার প্রতি

(4) বিনোদিনী নামক সেই হতভাগ্য নারীর প্রতি যে বিবাহিত হয়েও পুত্রের জন্ম দিতে পারল না

**146.** বিনোদিনী যখন তার সর্বপ্রধান কর্তব্যটির পালন করল না, তখন বৈদ্যনাথের মনোভাব কেমন হল ?

(1) নারী নরকের দ্বার – এই বিশ্বাস তাঁর বদ্ধমূল হল

(2) বিনোদিনীকে তিনি দুর্গ্রহ মনে করে বিতাড়িত করলেন

(3) নরকের দ্বার খোলা দেখে তিনি অজ্ঞান হয়ে গেলেন

(4) পুন্নাম নরকের দ্বার খোলা দেখে তিনি চিন্তিত হলেন

**147.** যুবতী বিনোদিনীর নিকট এতটা প্রাজ্ঞতা আশা করা যায় না – তাই

(1) তার বঞ্চিত যৌবনের জন্য একটি শোচনীয় বেদনা সে মর্মে অনুভব করত

(2) সে কেবলই বৈদ্যনাথের কাছে তার হৃদয়ের দাবি প্রকাশ করত

(3) তার তীব্র পরাজয় রুদ্ধগৃহে হাহাকার করে বেড়াত

(4) তার বুভুক্ষিত হৃদয়কে সে চারদিকের আনন্দে মেলে দিল

**148.** 'এ সংসারে বিজ্ঞ লোকও ঠকে' – লেখকের এই মন্তব্যের কারণ –

(1) বিনোদিনী ঠকিয়ে তাঁর সমস্ত সম্পত্তি অধিগ্রহণ করল

(2) বেহিসেবী বৈদ্যনাথ প্রায়ই নববিবাহিতা স্ত্রীর অত্যাচারে জর্জরিত হতে লাগলেন

(3) এত হিসেব করে বিয়ে করেও বৈদ্যনাথ স্ত্রীর গর্ভজাত পুত্র-দর্শন করতে পারলেন না অতএব – তাঁর পুন্নাম নরকের ভয় রয়েই গেল

(4) বৈদ্যনাথের মত বিদ্বান বিরল ছিলেন; তবু তাঁকে অখ্যাতি সহ্য করতে হল

**149.** 'চিত্তক্ষুধাদাহ' শব্দটি এক্ষেত্রে যে অর্থের ব্যঞ্জনা দিয়েছে তা হল –

(1) জীবনে যে অভুক্ত মানুষ খিদের দহন অনুভব করে, তাদের কথাই এখানে বলা হয়েছে

(2) প্রেমের জন্য বিনোদিনীর হৃদয়ের আকাঙ্ক্ষা এখানে 'চিত্তক্ষুধা' এবং সেই আকাক্ষার নিবৃত্তি না হওয়াতে 'ক্ষুধা'-র দহন বা জ্বালা ব্যঞ্জিত হয়েছে

(3) সন্তানের জন্য বিনোদিনীর হৃদয়াকাঙ্ক্ষা এখানে বুভুক্ষার রূপ পেয়েছে । সে বুভুক্ষার নিবৃত্তি না হওয়াতে তা দহনে পরিণত হয়েছে

(4) চিত্ত অর্থে হৃদয় বা মন, 'ক্ষুধাদাহ' অর্থে খিদের দহন বা জ্বালার কথা এখানে ব্যঞ্জিত হয়েছে

**150.** 'অজ্ঞ' – এই শব্দের বিপরীতার্থক যে শব্দটি উপর্যুক্ত অনুচ্ছেদ একবার ব্যবহৃত, সেটি হল –

(1) জ্ঞানী

(2) প্রাজ্ঞ

(3) বিজ্ঞ

(4) যজ্ঞ

# SPACE FOR ROUGH WORK

**নিম্নলিখিত নির্দেশ গুলি মন দিয়ে পড়ুন**

1. প্রতিটি প্রশ্নের চারটি বিকল্প উত্তরের মধ্যে সঠিক উত্তর হিসেবে OMR উত্তর পত্রে কেবল একটিমাত্র বৃত্তকেই নীল/কালো বল পয়েন্ট পেন দিয়ে ভরাট করতে হবে । একবার উত্তর চিহ্নিত করণ হয়ে গেলে, তা আর বদলানো যাবে না ।

2. পরীক্ষার্থীকে অবশ্যই মনে রাখতে হবে যে, উত্তর পত্রটিতে কিছুতেই ভাঁজ ফেলা চলবেনা, অন্য কোনো রকম দাগ লাগানো চলবে না । পরীক্ষার্থী তার ক্রমিক সংখ্যাটি (Roll No.) নির্ধারিত স্থান ছাড়া অন্য কোনোখানেই উল্লেখ করবেন না ।

3. পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্র সাবধানতার সঙ্গে নাড়াচাড়া করবেন । কোনো কারণে তা খারাপ বা নষ্ট হলে দ্বিতীয় পরীক্ষা পুস্তিকা দেওয়া হবে না । (শুধুমাত্র পরীক্ষা পুস্তিকা এবং উত্তর পত্রের কোড নম্বরের মধ্যে অমিল থাকলেই দ্বিতীয় পরীক্ষা-পুস্তিকা দেওয়া হবে ।)

4. পরীক্ষার্থী হাজিরা-পত্রে (Attendance Sheet) ঠিক মতো পরীক্ষা পুস্তিকা/উত্তর পত্রে মুদ্রিত পরীক্ষা পুস্তিকার কোড নম্বরটি লিখবেন ।

5. পরীক্ষার্থীকে কেবল প্রবেশ পত্র বা Admit Card ছাড়া অন্য কোনো পাঠ্য বস্তু, ছাপা বা হাতে-লেখা, কাগজের টুকরো, পেজার, মোবাইল ফোন, বৈদ্যুতিক উপকরণ বা অন্য কোনো দ্রব্য নিয়ে পরীক্ষা হল-এ ঢুকতে দেওয়া হবে না ।

6. পরীক্ষা-নিরীক্ষক চাইলে পরীক্ষার্থী তার প্রবেশপত্র তাঁকে দেখাবেন ।

7. পরীক্ষা-নিরীক্ষক বা তত্ত্বাবধায়কের অনুমতি ছাড়া পরীক্ষার্থী তার আসন ছেড়ে উঠবেন না ।

8. কর্মরত নিরীক্ষকের হাতে নিজের উত্তর পত্র জমা না দিয়ে এবং হাজিরা পত্রে দুবার স্বাক্ষর না করে পরীক্ষার্থী পরীক্ষার হল্ থেকে বেরোবেন না । যদি কোনো পরীক্ষার্থী হাজিরা পত্রে দ্বিতীয় বার স্বাক্ষর না করেন, তবে এটাই ধরে নেওয়া হবে যে তিনি তাঁর উত্তর পত্র জমা করেন নি – এবং ব্যাপারটিকে দন্ডনীয় অপরাধ হিসেবে গণ্য করা হবে ।

9. ইলেক্ট্রনিক/হস্তচালিত ক্যাল্কুলেটরর ব্যবহার নিষিদ্ধ ।

10. পরীক্ষা হলের মধ্যে পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-বোর্ড-নির্ধারিত যাবতীয় নীতি-নিয়ম মেনে চলতে বাধ্য । কোনো রকম অনভিপ্রেত আচরণের বিচার ও তার সিদ্ধান্ত বোর্ডের নিয়ম-অধিনিয়ম অনুযায়ীই সম্পন্ন হবে ।

11. কোনো রকম পরিস্থিতিতেই পরীক্ষা পুস্তিকা ও উত্তর পত্রের কোনো অংশ বিচ্ছিন্ন করা চলবে না ।

12. **পরীক্ষা শেষ হলে, পরীক্ষার্থী পরীক্ষা-কক্ষ ছাড়ার আগে তাঁর উত্তর পত্রটি অবশ্যই কক্ষ-নিরীক্ষকের হাতে জমা দেবেন । পরীক্ষা পুস্তিকাটি অবশ্য জমা করার দরকার নেই – পরীক্ষার্থী সেটা নিজের সঙ্গে নিয়ে যেতে পারেন ।**

**READ CAREFULLY THE FOLLOWING INSTRUCTIONS :**

1. Out of the four alternatives for each question, only one circle for the correct answer is to be darkened completely with Blue/Black Ball Point Pen on Side-2 of the OMR Answer Sheet. The answer once marked is not liable to be changed.
2. The candidates should ensure that the Answer Sheet is not folded. Do not make any stray marks on the Answer Sheet. Do not write your Roll No. anywhere else except in the specified space in the Answer Sheet.
3. Handle the Test Booklet and Answer Sheet with care, as under no circumstances (except for discrepancy in Test Booklet Code or Number and Answer Sheet Code or Number), another set will be provided.
4. The candidates will write the correct Test Booklet Code and Number as given in the Test Booklet / Answer Sheet in the Attendance Sheet.
5. Candidates are not allowed to carry any textual material, printed or written, bits of papers, pager, mobile phone, electronic device or any other material except the Admit Card inside the examination hall/room.
6. Each candidate must show on demand his / her Admission Card to the Invigilator.
7. No candidate, without special permission of the Superintendent or Invigilator, should leave his / her seat.
8. The candidates should not leave the Examination Hall without handing over their Answer Sheet to the Invigilator on duty and sign the Attendance Sheet twice. Cases where a candidate has not signed the Attendance Sheet a second time will be deemed not to have handed over the Answer Sheet and dealt with as an unfair means case.
9. Use of Electronic / Manual Calculator is prohibited.
10. The candidates are governed by all Rules and Regulations of the Board with regard to their conduct in the Examination Hall. All cases of unfair means will be dealt with as per Rules and Regulations of the Board.
11. No part of the Test Booklet and Answer Sheet shall be detached under any circumstances.
12. **On completion of the test, the candidate must hand over the Answer Sheet to the Invigilator in the Room / Hall. *The candidates are allowed to take away this Test Booklet with them.***

SEAL

**निम्नलिखित निर्देश ध्यान से पढ़ें :**

1. प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर के लिए OMR उत्तर पत्र के पृष्ठ-2 पर केवल एक वृत्त को ही पूरी तरह नीले/काले बॉल पॉइन्ट पेन से भरें । एक बार उत्तर अंकित करने के बाद उसे बदला नहीं जा सकता है ।
2. परीक्षार्थी सुनिश्चित करें कि इस उत्तर पत्र को मोड़ा न जाए एवं उस पर कोई अन्य निशान न लगाएँ । परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक उत्तर पत्र में निर्धारित स्थान के अतिरिक्त अन्यत्र न लिखें ।
3. परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र का ध्यानपूर्वक प्रयोग करें, क्योंकि किसी भी परिस्थिति में (केवल परीक्षा पुस्तिका एवं उत्तर पत्र के संकेत या संख्या में भिन्नता की स्थिति को छोड़कर) दूसरी परीक्षा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जाएगी ।
4. परीक्षा पुस्तिका / उत्तर पत्र में दिए गए परीक्षा पुस्तिका संकेत व संख्या को परीक्षार्थी सही तरीके से हाज़िरी-पत्र में लिखें ।
5. परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा हॉल/कक्ष में प्रवेश कार्ड के सिवाय किसी प्रकार की पाठ्य सामग्री, मुद्रित या हस्तलिखित, कागज़ की पर्चियाँ, पेजर, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या किसी अन्य प्रकार की सामग्री को ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नहीं है ।
6. पूछे जाने पर प्रत्येक परीक्षार्थी, निरीक्षक को अपना प्रवेश-कार्ड दिखाएँ ।
7. अधीक्षक या निरीक्षक की विशेष अनुमति के बिना कोई परीक्षार्थी अपना स्थान न छोड़ें ।
8. कार्यरत निरीक्षक को अपना उत्तर पत्र दिए बिना एवं हाज़िरी-पत्र पर दुबारा हस्ताक्षर किए बिना परीक्षार्थी परीक्षा हॉल नहीं छोड़ेंगे । यदि किसी परीक्षार्थी ने दूसरी बार हाज़िरी-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए तो यह माना जाएगा कि उसने उत्तर पत्र नहीं लौटाया है और यह अनुचित साधन का मामला माना जाएगा ।
9. इलेक्ट्रॉनिक / हस्तचालित परिकलक का उपयोग वर्जित है ।
10. परीक्षा-हॉल में आचरण के लिए परीक्षार्थी बोर्ड के सभी नियमों एवं विनियमों द्वारा नियमित हैं । अनुचित साधनों के सभी मामलों का फैसला बोर्ड के नियमों एवं विनियमों के अनुसार होगा ।
11. किसी हालत में परीक्षा पुस्तिका और उत्तर पत्र का कोई भाग अलग न करें ।
12. **परीक्षा सम्पन्न होने पर, परीक्षार्थी कक्ष / हॉल छोड़ने से पूर्व उत्तर पत्र कक्ष-निरीक्षक को अवश्य सौंप दें । *परीक्षार्थी अपने साथ इस परीक्षा पुस्तिका को ले जा सकते हैं ।***